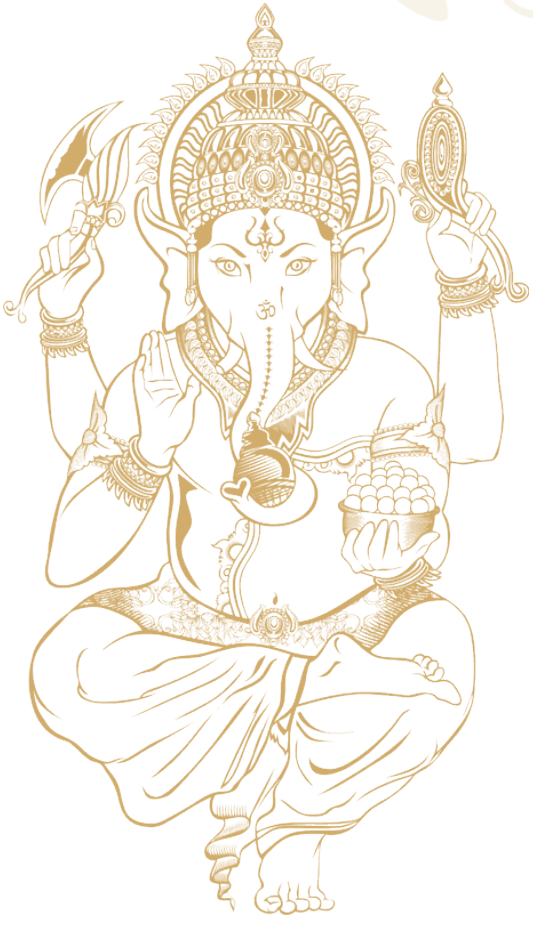

Kiritkumar Sharma

23 Feb 2002

07:50 PM

Dakor

Model: web-freekundliweb

Order No: 121436002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/02/2002**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**19:50:00 घंटे**
इष्ट	31:55:02 घटी
स्थान	**Dakor**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	22:48:00 उत्तर
रेखांश	73:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:12:52 घंटे
वेलान्तर	-00:13:26 घंटे
साम्पातिक काल	05:26:05 घंटे
सूर्योदय	07:03:59 घंटे
सूर्यास्त	18:37:22 घंटे
दिनमान	11:33:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	10:54:27 कुम्भ
लग्न के अंश	28:18:03 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	आयुष्मान
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सिंह
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	छ-छत्रपति
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	28:18:03	332:14:19	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	---
सूर्य			कुंभ	10:54:27	01:00:22	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	18:44:01	13:56:58	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	मित्र राशि
मंगल			मेष	01:49:52	00:42:45	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
बुध			मक	14:23:49	01:05:10	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	11:48:03	00:01:12	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	20:33:42	01:14:58	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	मित्र राशि
शनि			वृष	14:22:34	00:01:45	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	00:37:26	00:02:01	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	00:37:26	00:02:01	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	उच्च राशि
हर्ष			कुंभ	01:30:25	00:03:26	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप			मक	15:32:31	00:02:06	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	23:34:11	00:00:51	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			वृष	28:19:31	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:57

लग्न-चलित

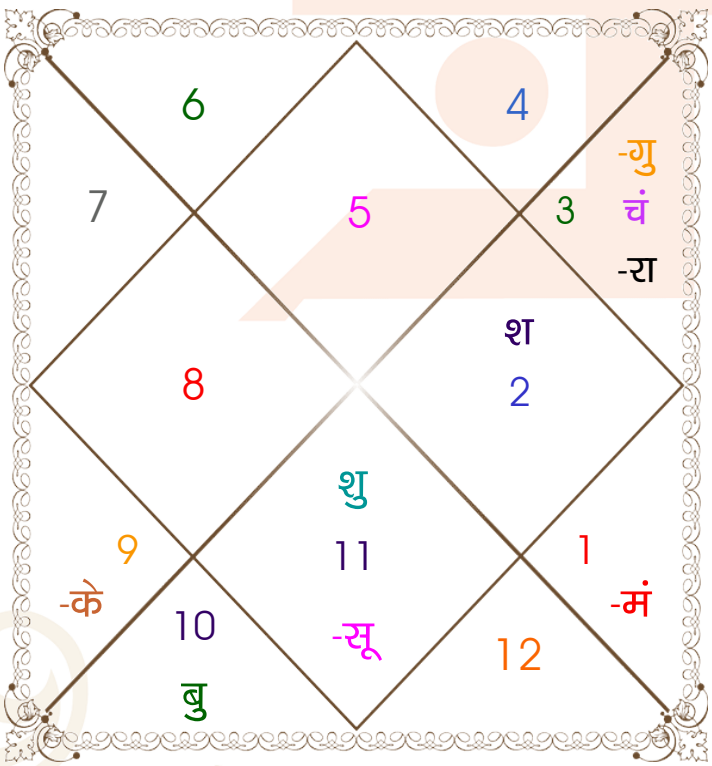

चन्द्र कुंडली

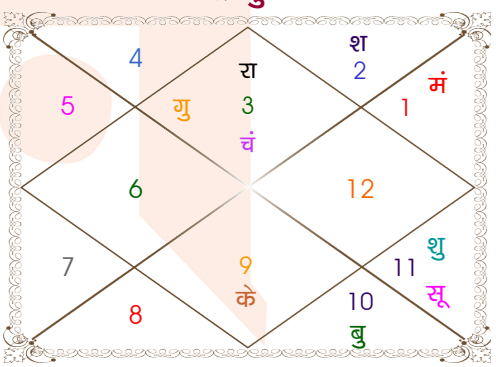

नवमांश कुंडली

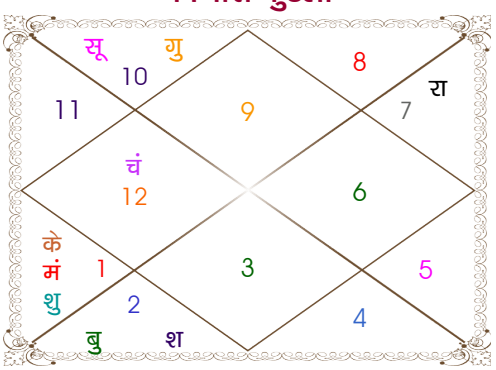

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 1 वर्ष 8 मास 15 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
23/02/2002		10/11/2003		10/11/2019		10/11/2038		10/11/2055	
10/11/2003		10/11/2019		10/11/2038		10/11/2055		10/11/2062	
	00/00/0000	गुरु	28/12/2005	शनि	13/11/2022	बुध	07/04/2041	केतु	07/04/2056
	00/00/0000	शनि	10/07/2008	बुध	23/07/2025	केतु	04/04/2042	शुक्र	07/06/2057
	00/00/0000	बुध	16/10/2010	केतु	31/08/2026	शुक्र	02/02/2045	सूर्य	13/10/2057
	00/00/0000	केतु	22/09/2011	शुक्र	31/10/2029	सूर्य	10/12/2045	चंद्र	14/05/2058
	00/00/0000	शुक्र	23/05/2014	सूर्य	13/10/2030	चंद्र	11/05/2047	मंगल	10/10/2058
	00/00/0000	सूर्य	11/03/2015	चंद्र	13/05/2032	मंगल	07/05/2048	राहु	29/10/2059
	23/02/2002	चंद्र	10/07/2016	मंगल	22/06/2033	राहु	25/11/2050	गुरु	03/10/2060
चंद्र	22/10/2002	मंगल	16/06/2017	राहु	28/04/2036	गुरु	02/03/2053	शनि	12/11/2061
मंगल	10/11/2003	राहु	10/11/2019	गुरु	10/11/2038	शनि	10/11/2055	बुध	10/11/2062

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
10/11/2062		10/11/2082		09/11/2088		10/11/2098		10/11/2105	
10/11/2082		09/11/2088		10/11/2098		10/11/2105		00/00/0000	
शुक्र	11/03/2066	सूर्य	27/02/2083	चंद्र	09/09/2089	मंगल	08/04/2099	राहु	23/07/2108
सूर्य	11/03/2067	चंद्र	29/08/2083	मंगल	10/04/2090	राहु	26/04/2100	गुरु	17/12/2110
चंद्र	09/11/2068	मंगल	04/01/2084	राहु	10/10/2091	गुरु	02/04/2101	शनि	23/10/2113
मंगल	09/01/2070	राहु	27/11/2084	गुरु	08/02/2093	शनि	12/05/2102	बुध	11/05/2116
राहु	09/01/2073	गुरु	15/09/2085	शनि	10/09/2094	बुध	09/05/2103	केतु	30/05/2117
गुरु	10/09/2075	शनि	28/08/2086	बुध	09/02/2096	केतु	05/10/2103	शुक्र	30/05/2120
शनि	10/11/2078	बुध	05/07/2087	केतु	09/09/2096	शुक्र	04/12/2104	सूर्य	23/04/2121
बुध	09/09/2081	केतु	10/11/2087	शुक्र	11/05/2098	सूर्य	11/04/2105	चंद्र	24/02/2122
केतु	10/11/2082	शुक्र	09/11/2088	सूर्य	10/11/2098	चंद्र	10/11/2105		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 1 वर्ष 8 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।